

ज. भारत माझी देशों को अनावृत्त वीक्षण 'मोट' के नाम के लिए
लोचिनाम के शाला पिथोपुल II ने 1876 ई. में
भाषीयन जिहा मोट वीक्षण संस्था की स्थापना
में वीक्षण देशों के मध्य भाषी विवादों का शासन की

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था के लिए सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूक्रीडा के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूक्रीडा को आपा-भाँट में शामिल करने के कई भयों के कारण लेनीन को हटा दिया नहीं हुआ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में संगठन का

श्रौत \Rightarrow अल्पीत्या, मोल्का, धूमिल, भाइवी नाल भादि
इत्थेण \Rightarrow मिल, मल, की

इलेक्ट्रॉन → मिल, धुन, दाहिना भागीना, रोंडाशिया के मा, नाइजीरिया

અમંતી = ~~એમલન, દોગલેસ~~, યુનાઇડ, ગોલ્ડ કોલ્ડ
~~એમલન, દોગલેસ~~

कुल्लुआल = अंगुली, प्रवीं मोल्लुआल